आज हमें अवश्य ही उच्च-नीच, अमीर एवं गरीब, जाति या वर्ग के भेदभाव को मिटाना है।

We have to shed mutual bickering, shed the difference of being high or low and develop the sense of equality and banish untouchability. We have to restore the conditions of **Swaraj** prevalent prior to British rule. We have to live like the children of the same father.

स्वदेशी सरकार में <u>एकता</u> और सहयोग आवश्यक गुण हैं । In a domestic Government unity and co-operation are essential requisites.

जाति-पंथ के विभेद से हमें प्रभावित नहीं होना है । सभी भारत की संतानें हैं । हम सभी को अपने देश से प्यार होना चाहिए तथा आपसी, प्रेम एवं भाई-चारे से अपनी नियति का निर्माण करना चाहिए ।

No distinctions of **caste** and creed should hamper us. All are the sons and daughters of India. We should all love our country and build our destiny on mutual love and help.

कोई व्यक्ति क्रांतिकारी पथ का अनुयायी हो सकता है लेकिन वह पथ समाज के लिए घातक नहीं हो । क्रांति में <mark>हिंसा</mark> के लिए काई स्थान नहीं है ।

One can take the path of revolution but the revolution should not give a shock to the society. There is no place for violence in revolution.

महात्माजी द्वारा शुरू किया गया युद्ध सरकार और स्वयं दोनों के विरूद्ध है । पहले के खिलाफ लड़ाई समाप्त हो गयी है पर स्वयं के खिलाफ लड़ाई कभी समाप्त नहीं होती । इसका उद्देश्य आत्म-शुद्धि है

The war started by Mahatmaji is against two things – the Government and secondly against one self. The former kind of war is closed, but the latter shall never cease. It is meant for **self-purification**.

जब तक आप यह न जान लें कि मरना किस प्रकार है तब तक किस प्रकार मारें जानना आवश्यक नहीं है । बल प्रयोग से भारत का हित नहीं होने वाला है । यदि भारत का हित होगा तो वह अहिंसा के माध्यम से होगा ।

So long as you do not know how to die it is useless for you to learn how to kill. India will not be benefited by brutal force. If India is to be benefited it will be through non-violence.

चरित्र निर्माण के दो तरीके हैं - दमन के खिलाफ बल अर्जित करना, और परिणाम स्वरूप कठिनाइयों को सहन करना जिससे हिम्मत तथा जागरूकता उत्पन्न होती है ।

Two ways of **building character** – cultivating strength to challenge oppression, and tolerate the resultant hardships that give rise to courage and awareness.

युवक एवं युवितयों को शक्तिशाली चिरित्र का निर्माण करना है। किसी देश की महानता वहाँ के लोगों के चिरित्र में झलकती है। यिद वे स्वार्थपरता से दूषित हैं तो वे समृद्ध हों नहीं सकते, महान उपलब्धि अर्जित कर नहीं सकते। स्वार्थी व्यक्ति सिर्फ स्वयं एवं अपने परिवार की सोचता है लेकिन यह जीवन का अंतिम ध्येय नहीं हो सकता है।

Young men and women are to **build-up a strong character**. A nation's greatness was reflected in the character of her people. If it was sullied by selfishness, such a people could not prosper or achieve great things. Selfishness had its place in life as everyone had to look to his own needs and that of his family, but it could not be made the be – all and end – all of life.

आज भारत के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है कि वह संगठित एवं संयुक्त शक्ति के रूप में मजबूती प्राप्त करे ।

The main task before India today is to consolidate herself into a well-knit and united power...

जाति, समुदाय शीघ्र समाप्त होंगे । हमें शीघ्रता से इन चीजों को भूलना है । ऐसे बंधन हमारे विकास को रोकते हैं ।

Caste, community will rapidly disappear. We have to speedily forget all these things. Such boundaries hamper our growth.

धर्म का संबंध मनुष्य एवं उसके निर्माता के बीच का है ।

Religion is a matter between the man and his Maker.

हमने अपनी कमजोरियों से उत्तीर्ण होने के लिए सही दिशा में इमानदारी पूर्वक प्रयास किया है । यदि प्रमाण की आवश्यकता हो तो वह हिन्दू - मुस्लिम एकता है.....। इसी प्रकार हमें पारसियों, ईसाइयों एवं देश के अन्य नागरिकों के प्रति भी सौहार्द्रपूर्ण संबंध स्थापित करने हैं ।

We have tried to overcome our weaknesses honestly and in a definite manner. The proof, if any proof is needed, is Hindu-Muslim **unity**... Similarly, we have established cordial relations with Parsis, Christians and other citizens of the country.